

जे के एल यू में 'सेंटर फॉर कम्युनिकेशन एंड क्रिटिकल थिंकिंग' शुरू

छात्रों को एम्प्लॉयर्स की अपेक्षा के अनुसार तैयार किया जाएगा

जयपुर। जे के लक्ष्मीपत यूनिवर्सिटी के विद्यार्थियों में प्रभावी कम्युनिकेशन और क्रिटिकल थिंकिंग की क्षमताओं का विकास करने के उद्देश्य से आज यूनिवर्सिटी कैंपस में इस सेंटर की स्थापना की गयी। जेकेएलयू ने इसके साथ ही देश की ज्यादातर यूनिवर्सिटीज के परंपरागत पाठ्यक्रम के स्थान पर आईवी लीग तथा विश्वस्तरीय यूनिवर्सिटीज में लागू पाठ्यक्रमों व पद्धतियों को अपनाया, जो कि किसी भी यूनिवर्सिटी स्टूडेंट के लिए आज के समय में प्रोफेशनली सफल होने के लिए आवश्यक हैं।

आधुनिक तकनीक युक्त यह केंद्र नवीनतम शिक्षण कार्यप्रणाली एवं माध्यमों के उपयोग से विद्यार्थियों में अत्यावश्यक स्किल्स के विकास के लिए कार्य करेगा। इस केंद्र का विधिवत उद्घाटन, गुरुवार को यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. आर. एल. रैना ने किया। इस मौके पर विख्यात पत्रकार, लेखक एवं एंटरप्रेन्योरशिप की विख्यात पत्रिका, इंक. की पूर्व संपादक श्रीमती श्रेयसी सिंह भी उपस्थित थीं।

श्रेयसी सिंह की बेस्ट सेलर पुस्तक 'दी वेल्थ वालाज' की लेखिका भी हैं। उच्च शिक्षा में अपने योगदान के लिए हमेशा तत्पर रहने वाली श्रीमती सिंह ने कई संस्थानों में



अपनी अध्यापन सेवाएं भी दी हैं। श्रीमती सिंह ने केंद्र के उद्घाटन के अवसर पर इंजीनियरिंग के प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए चलाये जाने वाले कोर्स 'क्रिटिकल थिंकिंग' पर एक सत्र भी लिया। यह केंद्र जेकेएलयू के सभी स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए विभिन्न पाठ्यक्रम संचालित करेगा। कुलपति डॉ. आर. एल. रैना ने इस अवसर पर बताया कि 'इस केंद्र की स्थापना यूनिवर्सिटी द्वारा आधुनिक एवं परिणामोन्मुखी पाठ्यक्रम संचालन की दिशा में किये जाने वाले विभिन्न नवाचार पूर्ण कदमों में से एक है। पूरे विश्व में उच्च शिक्षा एक परिवर्तन के दौर में है। हम अपने विद्यार्थियों को अपने देश की ही नहीं, अपितु विश्व की सर्वोत्तम शिक्षा प्रदान करने के लिए

कृतसंकल्पित हैं।'

जेकेएलयू के वाइस चांसलर प्रो. आशीष गुप्ता के अनुसार यह यूनिवर्सिटी विश्व स्तरीय बेहतरीन शिक्षा देने हेतु बहुत से ऐसे ही परिवर्तनकारी कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि चूंकि लक्ष्य नवीनतम तकनीकों का प्रयोग करते हुए शिक्षण की पारंपरिक सीमाओं को पार करते हुए, विद्यार्थियों के लिए आज की आवश्यकताओं के अनुरूप अंतर्माध्यम आधारित पाठ्यक्रम एवं प्रोग्राम्स संचालित करना है। इसी कड़ी में, सभी पाठ्यक्रमों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ऑटोमेशन एवं डिजाइन थिंकिंग जैसे आधुनिकतम तकनीकी क्षेत्रों को सम्मिलित किया जाना इसी विश्व स्तरीय शिक्षा प्रदान करने के लक्ष्य का एक भाग है।